पैरागन कान्वेंट स्कूल

कक्षा - ३

व्याकरण

अनुच्छेद – 'होली का त्योहार'

होली रंगों का त्योहार है। यह त्योहार फागुन माह की पूर्णिमा के दिन होलिका दहन से शुरू होता है। दूसरे दिन सवेरे-सवेरे लोग एक-दूसरे के मुँह पर रंग-गुलाल लगाकर गले मिलते हैं। बच्चे पानी और रंग-भरे गुब्बारे एक-दूसरे पर फेंकते हैं। कई बच्चे पिचकारी का प्रयोग करते हैं। भजन-कीर्तन होते हैं। घर में तरह-तरह के पकवान खाने को मिलते हैं। चारों ओर शोर होता है। सब खुश दिखाई देते हैं। स्कूलों-दफ़्तरों में छुट्टी होती है। हमें रंगों से खेलते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी को नुकसान न पहुँचे। दोपहर में लोग नहा-धोकर आराम करते हैं। मुझे यह त्योहार बहुत अच्छा लगता है।